

पितृदोष एवं प्रेत बाधा मुक्ति दीक्षा प्राप्त कर जीवन की बाधाओं को समाप्त करें...

घर में शान्ति, संतोष, प्रेम और आरोग्य का स्थापन करें...

- *प्रेत बाधा के प्रभाव से मनुष्य का मानसिक संतुलन बिगड़ जाता है।*
- *वह विचित्र व्यवहार करने लग जाता है। कोई भी शारीरिक व्याधि न होने के बावजूद शरीर अस्वस्थ रहता है, विशेष कर छोटे बच्चों को स्वास्थ्य की परेशानियां निरन्तर बनी ही रहती है।*
- *घर में अप्रिय घटना हो जाती है।*
- *घर में दुर्गन्ध आती है।*
- *घर में अजीब दृश्य दिखाई देते हैं।*
- *कोई पीछे से बार-बार आवाज दे रहा है ऐसा आभास होता है।*

ऐसी ही घटनाएं है जो यह बताती है कि आप आत्माओं के प्रभाव से पीड़ित है।

अब ये आत्माएं आपके घर-परिवार के सदस्यों की भी हो सकती है जो मुक्ति के अभाव में भटक रही है अथवा अन्य कोई अपरिचित आत्मा भी हो सकती है जिसका आपके किसी कारण से जुड़ाव हो गया हो। यह कारण किसी अनजान स्थान पर आपके जाने के कारण या आपके व्यक्तित्व के किसी गुण-अवगुण के कारण भी हो सकता है।

उस आत्मा के कारण आपको जो कष्ट भोगने पड़ रहे है उसका निवारण हो।

श्राद्ध पक्ष भूत-प्रेत, पितृदोष की बाधाओं से मुक्त होने का विशेष कल्प है। इस कल्प को पितृ बाधा मुक्ति और शांति के नाम से भी जाना जाता है। श्राद्ध पक्ष में सद्गुरुदेव से पितृ दोष एवं प्रेत बाधा मुक्ति दीक्षा प्राप्त कर, साधना मंत्र जप इन दोषों से मुक्ति प्राप्त करे।

पितृगण जब मुक्त हो जाते है तब वे अपने वंशजों, संतानों तथा प्रियजनों को आयु, धन, विद्या, स्वर्ग, मोक्ष, सुख, राज्य इन सभी आशीर्वादों को प्रदान करते हैं। पितरों की प्रसन्नता से मनुष्य को पुत्र, यश, कीर्ति, पुष्टि, बल, लक्ष्मी, अन्न, द्रव्य आदि सुख प्राप्त होते हैं।

– पितृ दोष एवं प्रेत बाधा मुक्ति दीक्षा (प्रति चरण) न्यौ. – 2100/–